सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-234
24/05/2017

मुख्यमंत्री ने डॉ0 पी0 गुप्ता की प्रतिमा का अनावरण किया

पटना, 24 मई 2017 :– बेगूसराय जिला के मटिहानी प्रखण्ड स्थित विप्लवी पुस्तकालय में आज मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने श्रद्धास्पद डॉ0 पीयूषेंदु गुप्ता की मूर्ति का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संत कबीर, प्रेमचन्द, शहीद भगत सिंह के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने विप्लवी पुस्तकालय एवं सभागार का भी भ्रमण किया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं श्री राजेन्द्र जी को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने मुझे इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया। मैं पहले ही इस कार्यक्रम में आना चाहता था, कुछ अपरिहार्य कारणवश कार्यक्रम को टालना पड़ा। इस कार्यक्रम में भाग लेकर आज मुझे बहुत खुशी हो रही है। साथ ही डॉ0 पी0 गुप्ता के प्रतिमा के अनावरण करने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि डॉ0 पी0 गुप्ता के बारे में शुरू से सुनता आ रहा हूँ। डॉ0 पी0 गुप्ता ने हमेशा गरीबों की सेवा की। उन्होंने डॉ0 पी0 गुप्ता के पुत्र श्री शैवाल गुप्ता के बारे में कहा कि वे अर्थशास्त्री हैं। विश्लेषक के रूप में उन्होंने काम किया है। उन्होंने आद्री की स्थापना की। बिहार के बाहर के लोग जो बिहार के बारे में जानना चाहते हैं, वे आद्री से सम्पर्क करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मैंने विप्लवी पुस्तकालय को देखा। जिस बढ़िया ढ़ंग से पुस्तकालय का संचालन किया जा रहा है, उसके लिये मैं पुस्तकालय के संचालक को धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने कहा कि हमारी शुरू से यह नीति थी कि पुस्तकालयों का जीर्णोद्धार हो। पुस्तकालय सिर्फ नाम के पुस्तकालय नहीं हों बल्कि पुस्तकालयों से लोगों को लाभ मिले। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भी लोगों ने अपने प्रभाव से पुस्तकालय बनाया है। विप्लवी पुस्तकालय बहुत सुव्यवस्थित ढ़ंग से चलाया जा रहा है। इस पुस्तकालय को राज्य सरकार द्वारा विशिष्ट पुस्तकालय का दर्जा दिया गया है। आज उसी के तहत दो लाख रूपये का अनुदान पुस्तकालय को राज्य सरकार की तरफ से दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैं शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहूँगा कि इस पुस्तकालय का उदाहरण सभी जगह दें। बिहार में इसे प्रचारित करें ताकि लोगों को इससे प्रेरणा मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम शुरू से जानते हैं कि बेगूसराय की धरती में जान है और यह बढ़ती ही जा रही है। उन्होंने कहा कि हम महापुरूषों का सम्मान करते हैं और उनके कार्यों से प्रेरणा लेते हैं। डॉ0 पी0 गुप्ता का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर डॉ0 पी0 गुप्ता चाहते तो वे विदेश जाकर पढ़ाई कर सकते थे, बहुत बड़े डॉक्टर बन सकते थे परंतु उन्होंने गरीबों की सेवा को प्राथमिकता दी।

गंगा नदी के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा नदी की स्थिति खराब है। हम इससे चिंतित हैं। हमने प्रधानमंत्री से भी मिलकर यह बात कही है। उन्होंने कहा कि जबसे गंगा रिवर बेसिन अथॉरिटी बना है, उसकी पहली बैठक से लेकर हाल में हुयी 11वीं इंटर काउंसिल की बैठक में मैंने गंगा नदी का मुद्दा उठाया है। गत वर्ष गंगा नदी में आयी बाढ़ से बारह जिले तबाह हुये थे। यह स्थिति हर साल आ सकती है। गंगा नदी की गहराई घट गयी है। उन्होंने कहा कि गंगा नदी की पानी की आज पहले जैसी स्थिति नहीं है। पहले गंगा नदी जिस स्थान से गुजरती थी, गंगा नदी के पानी में पोषक तत्व शामिल होते थे। आज गंगा नदी की अविलरता घट गयी है। उन्होंने कहा कि गंगा नदी पर नीचे में फरक्का

बॉध तथा ऊपर में भी कई बॉध हैं, जिससे गंगा नदी का बहाव कम गया है। उन्होंने कहा कि गंगा नदी पर पटना एवं दिल्ली में सम्मेलन का आयोजन किया गया था। मैंने सभी को गंगा नदी को देखने के लिये आमंत्रित किया है। नमामी गंगे योजना का जिक्र करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा नदी की निमर्लता की बात होती है। मैंने यह स्पष्ट कहा है कि अविलरता के बिना निमर्लता संभव नहीं है। राष्ट्रीय जलमार्ग 1 के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जलमार्ग 1 अगर बनाया जायेगा तो गंगा नदी पर कई बॉध बनेंगे, जिससे गंगा नदी की अविलरता समाप्त हो जायेगी। उन्होंने कहा कि गंगा नदी के गाद के लिये गाद प्रबंधन का उपाय होना चाहिये। इसके लिये कमिटी तो बनी परंतु किसी ने गंगा का स्थल निरीक्षण नहीं किया बल्कि कमरे में बैठकर रिपोर्ट तैयार कर दी गयी, इससे काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि वाटरवेज के अधिकारियों ने अपना प्रस्तुतीकरण दिया था। मैंने उन्हें गंगा नदी का स्थल निरीक्षण करने को कहा। बिहार सरकार के हेलीकॉप्टर द्वारा उन्हें गंगा नदी का भ्रमण कराया गया। उनके द्वारा भी यह बात मानी गयी कि गंगा नदी की समस्या गंभीर है। उन्होंने कहा कि हम यह नहीं चाहते हैं कि फरक्का बराज को तोड़ दिया जाय। चाहते हैं कि गंगा नदी का अध्ययन हो तथा गाद की समस्या दूर करने के लिये कोई रास्ता निकाला जाय। उन्होंने कहा कि स्थिति गंभीर है, यह हर किसी को समझना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जलमार्ग के लिये रास्ता बनेगा तो गंगा नदी के किनारों पर और कटाव होगा। हम सभी लोगों से आग्रह करते हैं कि इस विषय पर एकजुटता के साथ काम करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ0 पी0 गुप्ता ने अपना जीवन गरीबों की सेवा में लगाया। उन्होंने किसी प्रकार का लालच नहीं किया। गॉधी जी का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि गॉधी जी कहते थे कि इस पृथ्वी में इतनी ताकत है कि हमारी जरूरतों को पूरा कर सकता है परंतु हमारे लालच को पूरा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि मैं टेक्नोलॉजी का पक्षधर हूॅ परंतु वैसे टेक्नोलॉजी का जो पर्यावरण को दूषित नहीं करे। उन्होंने कहा कि प्रकृति से छेड़छाड़ ज्यादा दिन नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि हमें डॉ0 पी0 गुप्ता से त्याग तथा गरीबों की सेवा की सीख एवं प्रेरणा लेनी चाहिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में सामाजिक आन्दोलन कम हुये हैं। हम शासन का प्रयोग समाज सुधार के लिये कर रहे हैं। बिहार में शराबबंदी लागू किया। चंद लोग इसकी अवहेलना करने की कोशिश करते हैं। उन पर नजर रखी जा रही है। पकड़े गये लोगों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है। अब हम शराबबंदी से नशामुक्ति की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के विरूद्ध भी सशक्त अभियान चलेगा। उन्होंने लोगों को आह्वान किया कि अगर कोई दहेज लेकर शादी करता है तो उसकी शादी में नहीं जायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में शिक्षा एवं नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में काफी काम हुये हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा का बजट जो पहले 4200 करोड़ रूपये का था, वो बढ़कर 25 हजार करोड़ रूपये का हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षत्र में हमें बिहार के ग्रॉश इनरॉलमेंट रेशियो को 13.9 प्रतिशत से बढ़ाकर कम से कम 30 प्रतिशत करना है। इसके लिये विभिन्न संस्थायें खोली जा रही है। बेगूसराय में इंजीनियरिंग कॉलेज के साथ–साथ अब मेडिकल कॉलेज भी खोला जायेगा, इसके लिये कार्रवाई प्रारंभ कर दी गयी है। आने वाली पीढ़ियों की शिक्षा के लिये इंतजाम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पढ़ाई पर जोर दीजिये। यहॉ के लोग मेहनती हैं, हमारी युवा मेधावी है। बेगूसराय के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि बेगूसराय बिहार का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केन्द्र है, यह विशिष्टता बनी रहे।

इस अवसर पर डॉ0 पी0 गुप्ता ट्रस्ट की तरफ से मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री श्रीमती कुमारी मंजू वर्मा, सांसद श्री भोला सिंह, बखरी के विधायक श्री उपेन्द्र पासवान, पूर्व सांसद श्री शत्रुघ्न सिंह, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय नेत्री श्रीमती अमरजीत कौर, पूर्व विधायक श्री सत्यनारायण, पूर्व

विधान पार्षद डॉ0 तनवीर हसन, डॉ0 पी0 गुप्ता के पुत्र श्री शैवाल गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******